Seventeenth Loksabha

>

Title: Demand to set up Ahirwal Regiment in Indian army.

श्री अरविन्द कुमार शर्मा (रोहतक): महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

सबसे अच्छी बात है कि यहाँ पर माननीय रक्षा मंत्री जी बैठे हुए हैं और मेरी प्रार्थना भी उनसे है । दुनिया में भारतीय सैनिक और अर्धसैनिक बलों की बहादुरी की एक मिसाल है । मेरे हरियाणा को किसान, सैनिकों और खिलाड़ियों के नाम से जाना जाता है । इसके साथ-साथ हरियाणा को शहीद और बहादुरों के नाम से जाना जाता है । इसी तरह से दक्षिणी हरियाणा का अहीरवाल क्षेत्र है । आपने इसकी एक मिसाल सुनी होगी । वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध में, चीन ने बहुत धोखे से रात को रेजांगला की पहाड़ियों पर, रेजांगला की पोस्ट पर जब युद्ध किया तो 120 जवानों में 110 जवान हमारे अहीरवाल के शहीद हुए ।

मैं माननीय रक्षा मंत्री जी से रिक्वेस्ट करना चाहता हूँ, प्रार्थना करना चाहता हूँ कि आज उनमें से हमारे कैप्टन आशा राम जी, हवलदार अभय राम जी अभी जीवित हैं । उनकी एक इच्छा है कि उनके जीते जी अगर अहीरवाल रेजीमेंट की स्थापना हो जाए, तो स्वर्ग में जाकर वे हमारे शहीदों को बताएंगे कि उनके रहते-रहते अहीरवाल रेजीमेंट की स्थापना हुई । बार-बार यह माँग उठी है । हमारे कई साथियों ने भी इस माँग को उठाया है । मैं माननीय मंत्री जी से प्रार्थना करूँगा कि वे दयालुतापूर्वक इस पर गौर करें । धन्यवाद ।